कार्यक्रम का नाम - प्रदर्शन कला(संगीत) में स्नातकोत्तर

कार्यक्रम कोड - एम0पी0ए0एम0–20

<u>उद्देश्य</u> - इस कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियो को सौन्दर्यशास्त्र तथा पाश्चात्य संगीत का ज्ञान देना एवं उनके भारतीय संगीत के विभिन्न घटकों के ज्ञान में वृद्धि करना है।

प्रथम सेमेस्टर

क्र0 सं0	कोर्स का नाम	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
1	**संगीत एवं सौन्दर्यशास्त्र I**	एम0पी**0**ए0एम0-**501**	100	2
	इकाई **1 -** रस सिद्धान्त, लय व छन्द।			
	इकाई **2 -** सौन्दर्यशास्त्र भारतीय एवं पाश्चात्य संगीत के सन्दर्भ में।			
	इकाई **3 -** संगीत की व्याख्या भरत के नाट्यशास्त्र के अनुसार।			
	इकाई **4 -** प्राचीन काल।			
	इकाई **5 -** मध्यकाल।			
	इकाई **6 -** आधुनिक काल।			

सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री -

1.वसन्त, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय, हाथरस, उ**0** प्र**0** । **2**. डॉ**0** सुलोचना बृहस्पति**,** ध्वनि और संगीत।

3. डॉ**0** लक्ष्मीनारायण गर्ग**,** राग विशारद**(** दोनों भाग**),** संगीत कार्यालय, हाथरस, उ**0** प्र**0** । **4**. डॉ**0** लालमणि मिश्र**,** भारतीय संगीत वाद्य**,**भारतीय ज्ञानपीठप्रकाशन**,**दिल्ली ।

5. श्री एस**0**एस**0** परान्जपे**,** भारतीय संगीत का इतिहास। **6**. श्रीमती स्वतन्त्रा शर्मा, सौन्दर्य रस औरसंगीत ।

7. श्री भगवतशरण शर्मा**,** पाश्चात्य संगीत शिक्षा**,** संगीत कार्यालय, हाथरस ।

नोट - एम0पी0ए0एम0–501 (प्रथम सेमेस्टर) कोर्स कोड संगीत की तीनों विधाओं गायन, स्वरवाद्य एवं तबला के लिए समान है।